प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **नवंबर / November 15, 2021**

हरित भारत के प्राथमिक प्रतिपाद्य के रूप में सिडबी ने स्वावलंबन चैलेंज फंड के दूसरे गवाक्ष का शुभारंभ किया

SIDBI launches second window of Swavalamban Challenge Fund with Green Bharat as prioritised theme

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न शीर्ष वित्तीय संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने स्वावलंबन चैलेंज फंड (एससीएफ) के दूसरे गवाक्ष का शुभरभ किया है, जिसका उद्देश्य लाभ का लक्ष्य न रखने वाले संगठनों / शैक्षणिक संस्थानों / सामाजिक स्टार्टअप को विकासात्मक अंतरालों को पाटने के लिए वित्तीय समर्थन प्रदान करना है। इसके माध्यम से हरित/स्वच्छ/कुशल जलवायु परिवर्तन को समर्थन देने वाली नवीन परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। स्थायी आजीविका, वित्तीय समावेशन व वित्तीय सेवाओं तक पहुंच और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देना इसके अन्य प्रतिपाद्य विषय हैं।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) has launched the second window of Swavalamban Challenge Fund (SCF), which aims to provide financial support to non-profit organizations/educational institutions/social startups for addressing developmental gaps. The focus is on innovative projects addressing the green/clean/efficient climate change. Other themes are sustainable livelihood, financial inclusion, access to financial services and promoting the culture of entrepreneurship.

स्वावलंबन चैलेंज फंड (एससीएफ) के दूसरे गवाक्ष का शुभारंभ करते हुए सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री सिवसुब्रमणियन रमण, आईए एंड एएस ने कहा, "मुझे स्वावलंबन चैलेंज फ़ंड के दूसरे गवाक्ष के शुभारंभ की घोषणा करते हुए प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। इसका उद्देश्य प्रभावोन्मुख प्रस्तावों को समर्थन प्रदान करना है ताकि विकासात्मक चुनौतियों का समाधान किया जा सके। यह पहल, फ़ॉरेन, कॉमनवैल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ यूके) के साथ साझेदारी में कार्यान्वित हमारी स्वावलंबन संसाधन सुविधा का एक भाग है। दूसरे गवाक्ष का प्रतिपाद्य हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दृष्टि और वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए पक्षों के 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन

सम्मेलन (सीओपी 26) में तय की गई प्रतिबद्धताओं के अनुरूप हैं। इस संस्करण के प्रतिपाद्य में देश में कार्बन की पद-छाप को घटाने के लिए जलवायु परिवर्तन, शमन और अनुकूलन उपायों, पुनर्चक्रण / पुन: उपयोग / पुन: डिज़ाइन के माध्यम से पर्यावरण के अनुकूल / अपशिष्ट में कमी करने वाली प्रथाओं और समाधानों की पेशकश के साथ हरित पहल पर ध्यान केंद्रित किया गया है। एससीएफ बास्केट के अंतर्गत अन्य अनुक्रियाशील प्रतिपाद्यों में वित्तीय समावेशन, स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देना और नवोन्मेषी उद्यम समाधान सम्मिलित हैं। हम अखिल भारतीय स्तर पर नवोन्मेषी प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए तत्पर हैं जो आत्मनिर्भर भारत और भारत की विकास गाथा में बतौर विकार्बनीकरण योगदान कर सकते हैं। हरित भारत का पदार्पण हो रहा है और हम हर उस अभिनव समाधान के साथ चलने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो इसे और अधिक हरित और समृद्ध बनाता है।"

Speaking about the launch of the second window of Swavalamban Challenge Fund (SCF), Shri Sivasubramanian Ramann, IA&AS, Chairman and Managing Director of SIDBI said, “I am pleased to announce the launch of second window of SCF which is aimed to support impact-oriented proposals addressing developmental challenges. This initiative is a part of Swavalamban Resource Facility being implemented by us in partnership with Foreign, Commonwealth and Development Office (FCDO UK). The themes for second window align with the vision of our Hon’ble Prime Minister Shri Narendra Modi ji and the commitments India made at 26th UN Climate Change Conference of the Parties (COP 26) of attaining net zero emissions by 2070. The themes for this edition have been curated with a focus on green initiatives including climate change mitigation and adaptation measures, eco-friendly/waste reduction practices through recycle/reuse/redesign and offering solutions to reduce carbon footprint in the country. Other responsive themes curated under SCF basket include financial inclusion, promoting healthy living and innovative enterprise solutions. We look forward to innovative proposals from pan-India which can contribute to Aatmanirbhar Bharat and decarbonization of India growth story. Green Bharat is right there, and we are committed to walk along with every innovative solution which makes it greener and prosperous.”

एससीएफ विकास चुनौतियों के लिए जनसामान्य से नवोन्मेषी और परिणाम आधारित समाधानों के स्रोतीकरण करने वाला एक प्रतिस्पर्धी तंत्र है। सिडबी ने लाभ का लक्ष्य न रखने वाले उन संगठनों / शैक्षणिक संस्थानों / सामाजिक स्टार्ट-अप इकाईयों को समर्थन देने के लिए इस मंच का शुभारंभ किया है, जो जीवन को प्रभावित करने के लिए नवाचार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपनी क्षमता में विश्वास रखते हैं। एससीएफ के पहले दस्ते को लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध ऐसे उत्साही और जोशीले संचालकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया और समर्थन मिला है। सिडबी, एससीएफ का एकमात्र सूत्रधार है जो समाज की बेहतरी के उद्देश्य से नवोन्मेषी विचारों के क्रियान्वयन हेतु निधि देने के लिए पूरी तरह से डिजिटल प्रतिस्पर्धी चुनौती की परिकल्पना करता है। सिडबी द्वारा एफसीडीओ यूके के सहयोग से एससीएफ का आकल्पन, संचालन और निगरानी की जाती है। प्रायोगिक परियोजना (20

लाख रुपये की ऊपरी सीमा) और विस्तार (35 लाख रुपये तक) की पहल करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

SCF is a competitive mechanism to crowd-source innovative and outcome driven solutions to development challenges. SIDBI has launched the platform to support those non-profit organizations/educational institutions/social start-ups who believe in their capability to innovate and promise to impact the lives. The first cohort of SCF received overwhelming response and support from such zealous and passionate drivers committed to bring about a positive change in the lives of people. SIDBI is the sole facilitator for SCF that envisages a fully digitized competitive challenge to fund innovative ideas aiming for betterment of the society. SCF has been designed, run and monitored by SIDBI with support from FCDO UK. The proposals can be submitted for undertaking Pilot (Upper Cap of Rs. 20 lakh) and Scale-Up (up to Rs. 35 lakh) initiatives.

स्थानीय/राज्य या केंद्र सरकार के कार्यक्रम के साथ डिजिटलीकरण, स्थिरता और अधिकतम अभिसरण इसका एक समावेशी प्रतिपाद्य होगा, जिसे मूल्यांकन के दौरान वरीयता दी जाएगी। क्रेडिट कनेक्ट, रोजगार सृजन और उद्यम स्थापना को भी प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही साथ सामुदायिक भागीदारी और प्रभावकारिता को प्राथमिकता दी जाएगी।

Digitization, sustainability and maximizing convergence with local/state or central government programme shall be an encompassing theme which shall be accorded preference during assessment. Credit connect, job creation and enterprise setting-up shall also be preferred. Community participation and impact shall be accorded priority.

सिड्बी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.sidbi.in पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: https://www.sidbi.in